Vidya Bhawan Balika Vidyapith

Shakti Utthan Aashram , Lakhisarai 811311

~~*Online Study material based on NCERT*~~

Class : XII (Music) by PARTHA SARKAR

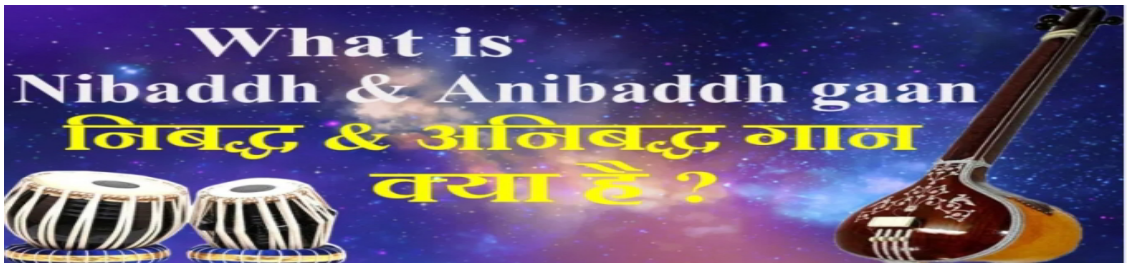

निबद्ध गान

जो संगीत तालबद्ध होती है उसे **निबद्ध गान** कहते हैं। आधुनिक काल में प्रचलित गीत जैसे ध्रुपद, धमार, टप्पा, खयाल, ठुमरी आदि निबद्ध गान कहलाते हैं। प्राचीन काल के प्रबंध, वस्तु, रूपक आदि निबद्ध गान कहलाते हैं। जिस प्रकार आधुनिक गीत के दो खंड- **स्थाई** और **अंतरा** माने गए हैं, उसी प्रकार प्राचीन गीत के पांच खंड जैसे- **उदग्राह**, **ध्रुव**, **मेलापक**, **अंतरा** और **आभोग** माने गए हैं।

अनिबद्ध गान

जो ताल में न बंधी हो केवल स्वरबद्ध हो उसे **अनिबद्ध गान** कहते हैं। जैसे आलाप। मुख्यत: आलाप का प्रयोग गीत के पहले होता है। प्राचीन काल में आलाप के चार प्रकार माने जाते थे- **रागालाप**, **रूपकालाप**, **आलप्तिगान** और **स्वस्थान**।

Edit with WPS Office